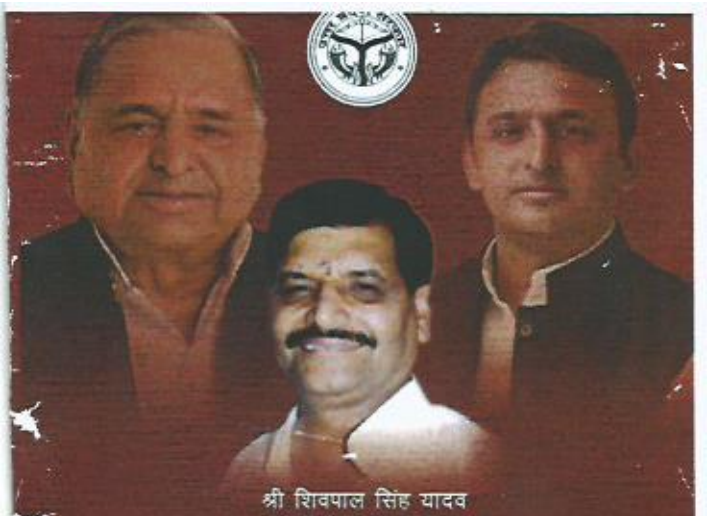

श्री शिवपाल सिंह यादव
मा0 मंत्री, सिंचाई एवं जल संसाधन

सम्मानित किसान भाइयों एवं बहिनों,

आप सबकी करूणामयी कृपा से मैं आपके जन-सेवक के रूप में उ0प्र0 सरकार में हूँ, लेकिन इससे पहले मैं एक किसान हूँ, खेती-किसानी के इस जन्म-जात अमिट और अटूट रिश्ते के कारण आपके सुख-दुःख का भी साझीदार हूँ।

1. ***संकट का आभास, हम खड़े आपके पास :-***

अभी बे-मौसम की बरसात और ओला वृष्टि से आपको जो आर्थिक क्षति से गहरा आघात पहुँचा है, मैं इस दैवीय आपदा का मुकाबला करने के लिए कदम से कदम मिला कर आपके साथ हूँ। इस बारिस व ओला वृष्टि से प्रभावित किसानों की वसूली फौरी तौर पर रोक दी गई है तथा इससे हुए नुकसान की भरपाई हेतु पीड़ित किसानों एवं उनके परिवार को राहत पहुँचाने के लिए प्रदेश में पहली बार राहत कोष से 1600 करोड़ रूपये जारी किए गए हैं तथा कृषक दुर्घटना बीमा योजना के अन्तर्गत किसानों की अकस्मिक मृत्यु होने पर

उनके परिवार अश्रितों को दी जाने वाली राशि को बढ़ाकर 7 लाख रूपये के भुगतान कराने के निर्देश दिए गये हैं। किसानों की पीड़ा को एक किसान के रूप में मैं भली भांति समझता हूँ, इसलिए किसानों पर आने वाली हर मुसीबत और संकट के समय आई समस्या से जूझने के लिए स्वाभावतया मै आपके कंधे से कंधा मिला कर आपके पास होता हूँ। इसी मकसद से मैंने इस दैवीय आपदा कोष में अपना एक माह का वेतन समर्पित कर अन्य साथियों से भी अपील की है, कि वे भी अपनी सामर्थ्य के अनुसार किसान भाइयों की सहायता यज्ञ में अपने सहयोग की आहुति देकर कृतार्थ करें।

देश से दूर भी दर्द से जुड़ा रहा दिल - नदियों की स्वच्छता, विकास और सौन्दरीकरण के उद्देश्य से मलेशिया व सिंगापुर आदि विदेश भ्रमण के दौरान भूकम्प त्रासदी के दुखद समाचार से आहत होकर तुरन्त फोन पर सम्बन्धित अधिकारियों को पुरजोर मदद मुहैया कराने के निर्देश दिये तथा बराबर घटनाक्रम की निगरानी की गयी।

2. मनाया किसान वर्ष, फैला सर्वत्र हर्ष :-

हम सब खेतिहरों के खैर-ख्वाह, सच्चे हमदर्द, माटी के मसीहा, समाज-वादी परम्परा के प्रखर पुरोधा, आदरणीय नेता जी की पावन प्रेरणा और प्रदेश के ऊर्जावान, जनप्रिय युवा मुख्य मंत्री श्री अखिलेश यादव की प्रसंशनीय पहल से यह साल (2015-16) किसान वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। सरकार का यह फैसला जहाँ भारतीय इतिहास में किसान कल्याण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा वहीं सार्वजनिक रूप में किसानों को समादरित करने वाला यह निर्णय आने वाली पीढ़ियों के लिए स्मरणीय सुनेहरा आध्याय भी होगा। इस ऐतिहासिक निर्णय से सर्वत्र फैला है हर्ष और सभी खुशी-खुशी मना रहे हैं किसान वर्ष।

3. पानी की सुखद कहानी :-

आप जानते हैं कि पानी ही हमारा जीवन है और ये नहरें हमारी जीवन रेखाएं है। पानी के परिपेक्ष्य में मुझे रहीम जी का यह दोहा याद आता है-

रहिमन पानी राखिये, बिन पानी सब सून।
पानी गये न ऊबरै, मोती मानुष चून॥

सुप्रसिद्व नीतिज्ञ जन कवि रहीम जी ने पानी को मानव जीवन का प्रमुख अंग माना है। अपनी खेती में सिंचाई का वह स्थान है जो शरीर में रक्त का होता है। भक्त कवि बाबा तुलसीदास ने खेती में समय पर सिंचाई की उपयोगिता के विंाय में रामायण में इस प्रकार लिखा है-

का बरषा सब कृषी सुखानें।
समय चुकें पुनि का पछितानें॥

4. दुःख-दर्द में आपके साथ :-

सूखती फसल का दर्द वही जानता है जिसने खुद फसल बोई हो, इतिहास साक्षी है कि पिछले पच्चीस तीस सालों में ऐसे लोग आये जो आपके दुख-दर्द बांटने के बजाय अपनी सुख-सुविधा बटोरने में माहिर थे। इन महानुभावों ने खुद को तो किया माला-माल और किसान को किया कंगाल। इन्हीं लोगों ने पानी की योजनाओं के नाम पर ठेकों से अपना ठाठ-बाट बढ़ाया फलतः सिंचाई योजनाओं का लगातार होता रहा बंटाधार क्योंकि इन लोगों का गांव गरीब किसान से कोई सरोकार नहीं था।

5. जाकै पांव न फटी बेवाई, सो का जानै पीर पराई:-

भाइयों मैने भी बचपन से खेतों-खलिहानों, मेढों, गूलों और रजवाहों की खूब खाक छानी है। पूस की बरफीली, सर्दीली रातों की हवा में ठिठुर कर पानी दिया है। जेठ की लू और तपती दोपहरी में खेतों और खलिहानों में काम किया है। आषाढ़, सावन की घनघोर वर्षा के बीच खेती-क्यारी को सम्भाला है। इसलिए मुझे आपके दर्द का पूरा एहसास है। एक कहावत है कि- जिसके पांव में बेवाई फटती है, वही उसका दर्द जानता है।

6. हर खेत तक पहुँचा है समय से पानी, यह बात विश्व बैंक ने है मानी

यही है 30 साल बनाम् 3 साल की सफल कहानी :-

आप सब की इन परेशानियों को मद्दे नजर रखते हुए मैंने हर खेत तक पानी पहुँचाने की युद्व स्तर पर मुहिम चलाई है, जिसके तहत नहरों की सफाई का कार्य बड़े स्तर पर कराया गया। आंकड़े बताते है कि विगत दो सालों में कुल 37983 किमी0 नहरों की सफाई हुई है, जिससे लगभग 12 लाख हे0 के रकबा में सिंचाई की सुविधा प्राप्त हुई है। हमारे सिंचाई विभाग की टीम ने उन आधी-अधूरी योजनाओं को समय-सीमा में पूरा किया है, जो पिछले 30 वर्षों से अधर में लटकी हुई थीं। सरकार के इस क्रान्तिकारी कदम की विश्व स्तर की संस्था विश्व बैंक ने मुक्त कंठ से सराहना की है। तभी तो हम गर्व से कहते है कि जो 30 साल में नहीं हुआ हमारी सरकार ने 3 साल में करके दिखाया है। यही है 30 साल बनाम् 3 साल सफलता की कहानी जो आज बनी है जन-मन की जुबानी।

7. बूँद-बूँद में सहभागिता सिंचाई में सहकारिता :-

एक सुप्रसिद्व कहावत है कि बूँद-बूँद से सागर बनता है। पानी की बूँद की महिमा को जन सहभागिता के आधार पर चरितार्थ करने के ध्येय से विश्व बैंक के सहयोग से उ0प्र0 वॉटर सैक्टर रीस्ट्रक्चरिंग परियोजना पैक्ट के द्वितीय चरण का कियान्वयन किया जा रहा है। इस चरण में प्रदेश के 16 जनपद (फिरोजाबाद, कासगंज, मैनपुरी, कन्नौज, औरैया, कानपुर देहात, ललितपुर, अमेठी, एटा, कानपुर नगर, फर्रूखाबाद, इटावा, फतेहपुर, कौशाम्बी, बाराबंकी, रायबरेली) लाभान्वित हो रहे हैं। परियोजना के मुख्य उद्देश्य एवं उपलब्धियां इस प्रकार है-

- निचली गंगा नहर के नरौरा बैराज का आधुनिकीकरण
- निचली गंगा नहर प्रणाली में पड़ने वाली सभी नहरों एवं सभी नालों के पुनरोद्धार तथा आधुनिकीकरण कार्य
- हैदरगढ़ शाखा (किमी0 22.96 से टेल) प्रणाली का पुनरोद्धार तथा आधुनिकीकरण कार्य
- बुन्देलखण्ड क्षेत्र जनपद ललितपुर में रोहिनी, सजनम एवं जामनी बांध नहर प्रणाली का पुनरोद्धार तथा आधुनिकीकरण कार्य
- कृषि क्षेत्र में आधुनिकीकरण तकनीकों का विकास तथा कृषि सघनीकरण एवं विविधीकरण के क्षेत्र में सीधे कृषकों से सम्पर्क स्थापित कर कृषि उत्पादकता में वृद्वि कर क्षेत्र के कृषकों की आय में वृद्वि
- नम भूमि क्षेत्रों का विकास तथा गिरते भूजल स्तर को पुर्नस्थापित किया जाना
- सहभागी सिंचाई प्रबन्धन के माध्यम से जल उपभोक्ता समितियों का गठन एवं सशक्तीकरण
- समान्तर निचली गंगा नहर की क्षमता 4200 क्यूसेक से बढ़ाकर 6380 क्यूसेक की गई है।
- समस्त टेलों पर पर्याप्त पानी पहुँचा है

8. विश्व ने भी यह बात मानी, उ0प्र0 सिंचाई व्यवस्था है बहुत पुरानी :-

आपकों यह जानकर गौरव महसूस होगा कि उत्तर प्रदेश की सिंचाई व्यवस्था संसार की प्राचीनतम सबसे बड़ी सिंचाई योजनाओं में से एक है। मसलन 1823ई0 में बनी पूर्वी यमुना नहर और 1854 में निर्मित अपर गंगा नहर तथा सुकवा-डुकवा डैम आदि अनेक सिंचाई संरचनाएं (जो1900ई0 के आस-पास बनी थी) आज भी जीवन्त उदाहरण के रूप में कायम हैं।

9. सपने हुए साकार :-

मुझे अपने जीवन के वे दिन भी अच्छी तरह याद हैं जब

आदरणीय नेता जी लोहियाजी के कुशल मार्ग दर्शन में अपने बुजर्ग पार्टी जनों के साथ यह संकल्प-व्रत लेते थे-

रोटी कपड़ा सस्ती होगी।
दवा पढ़ाई मुफ्ती होगी।

इन सद्-संकल्पों की श्रंखला में नेताजी का वह बुलन्द वादा आज अमली जामा पहन कर आप सबके चेहरों पर मुस्कान बनके उभर रहा है-

खेती पानी मुफ्ती होगी।

10. कथनी-करनी एक :-

उ0प्र0 की तबारीफ में पहली बार किसानों को मुफ्त सिंचाई का तोहफा देकर हमारी सरकार ने यह साबित किया है कि जो हम सोचते हैं वही कहते हैं और वही करते हैं। हमारी कथनी और करनी में कोई अन्तर नहीं है।

11. पर्वों पर दिया है भरपूर पानी :-

माघ मेला आदि पवित्र पर्वों पर गंगा, यमुना आदि पवित्र नदियों में श्रद्वालुओं के स्नान हेतु हमने जल-स्तर को बरकरार रखने के लिए उत्तराखण्ड सरकार से सतत सम्पर्क कर टिहरी डैम से 830मी0 तक पानी बढ़वाया। फलतः प्रदेश में पर्वों पर स्नानार्थियों को जल की कोई कमी महसूस नहीं हुई।

12. नये कदम और अनूठे कीर्तिमान :-

यह भी अति प्रसन्नता का प्रसंग है, कि उ0प्र0 के सिंचाई विभाग ने तेलीबाग (लखनऊ) स्थित अति-आधुनिक कमाण्ड सेन्टर की स्थापना कर इस दिशा में राष्ट्रीय स्तर पर अनुकरणीय काम किया है।

13. नदियां, नहरें बनी हैं जीवनदायिनी पहुँचा है तेल से घेल तक पानी :-

नहरों के इतिहास में पहली बार सिंचाई विभाग उ0प्र0 ने टी-डाईग्राम विकसित किया है, जो अपने आपमें एक अभिनव, अनूठा, कीर्तिमान है। जिसकी सहायता से प्रदेश की ऐसी नहरें आसानी से चिन्हित की जा सकती है, जिनमें सिल्ट जमा होने के कारण उनकी गति कम हो गई थी। ऐसी नहरों के पुनरोद्धार और जीणोद्धार का कार्य बड़े स्तर पर प्रारम्भ किया गया।

14. बाढ़ और सूखा से निपटने की पक्की तैयारी :-

छोटी नदियों को और अधिक गहरा एवं व्यापक बनाया जा रहा है, जिससे वर्षा का पानी उनमें रूक सके इससे जहां एक तरफ भू-जल स्तर में इजाफा होगा वहीं दूसरी तरफ बाढ़ की भयावह समस्या से भी निजात मिलेगी।

15. खुशी में झूमा है जन-जन गोमती को दिया है नया जीवन :-

आदि गंगा के नाम से अपनी पौराणिक पहचान बनाने वाली जीवन दायिनी गोमती को विश्व स्तरीय स्वरूप प्रदान करने की कार्य-योजना पर बड़े पैमाने पर कार्य शुरू कर दिया गया है। इसके तहत गोमती के अर्न्तराष्ट्रीय स्तर का बहु-आयामी रिवर फ्रन्ट विकसित करने के लिए मलेशिया के विश्व प्रसिद्व सलाहकार से परियोजना का मसौदा तैयार कराया जा रहा है। अब तक महज गोमती के साथ खिलवाड़ ही होता रहा है। सांकेतिक झाड़ू दिखा कर सफाई और फावड़ा हिलाकर फोटो खिचवाने तक ही दिखावी कार्यवाही होती रही है, लेकिन अब उ0प्र0 प्रदेश के सिंचाई विभाग ने देश में पहली बार प्रयोगात्मक चुनौतीपूर्ण कदम उठाकर बहती नदी में कच्चा बांध बना कर धारा को बदल कर सफाई का ऐतिहासिक कार्य कराया है। जिसके सुन्दर परिणाम निकट भविष्य में प्रदर्शित होंगे। अब वह दिन दूर नही है जब गोमती अपने महिमावन्त मन मोहक रूवरूप में सौन्दर्य और स्वच्छता की झलक दिखा कर जन-मन को आमंत्रित करेगी।

भाइयों यह सब आपकों बताने का मकसद अपनी वाह-वाही बटोरना नही है, अपितु आपकी जानकारी में इन बातों को लाना है ताकि आप इन पर गहराई से विचार करें। इस सिलसिले में आपसे गुजारिश है, जो शंका-सुझाव और प्रतिकिया आपके मन में उत्पन्न हो उसे पत्र द्वारा हमें सूचित करते रहें। ताकि उन विचारणीय बिन्दुओं, सवालों और सुझावों पर हम आप सबके हित में प्रभावी कार्यवाही कर सकें। मैं चाहूँगा कि आपकी सहभागिता से यह सिलसिला लगातार हमारे और आपके बीच में बदस्तूर चलता रहे। इसी विश्वास के साथ।

सद्भाव सहित

आपका अपना

(शिवपाल सिंह यादव)
सिंचाई मंत्री, उ0प्र0 सरकार।

रचनात्मक संवाद एवं प्रेरक सुझाव प्रेषण हेतु सम्पर्क सूत्र :-

1. श्री दीपक सिंघल आई0ए0एस0, प्रमुख सचिव, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग उ0प्र0 लखनऊ।
2. श्री एम0पी0 अग्रवाल आई0ए0एस0, अध्यक्ष, पैक्ट/सचिव, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग उ0प्र0 लखनऊ।

जन संचार एवं मीडिया प्रकोष्ठ, पैक्ट, उ0प्र0 वॉटर सैक्टर रीस्ट्रक्चरिंग परियोजना, सिंचाई विभाग, उ0प्र0 द्वारा प्रकाशित/प्रचारित।